परिश्रम से कार्य करता है।

पाठ 7 क्या निराश हुआ जाए

आपके विचार से –

प्र01- लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है, भी वह निराश नहीं है।

उ0 = लेखक ने व्यक्तिगत अनुभवों का वर्णन करते हुए कहा है कि उ धोखा भी खाया है परन्तु बहुत कम स्थलों पर विश्वासघात नो की चीज मिलती है। उनका मानना है कि अगर वह इन धोखों को रखेगा तो उसके लिए किसी पर भी विश्वास करना बेहद कष्ट होगा और ऐसी घटनाएं भी बहुत कम नहीं है, जब लोगों ने अक उसकी सहायता की है, उसके निराश मन को ढांढस दिया है और हिम्मत बंधाई है। लेखक जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण रखने व्यक्ति है। टिकट बाबू द्वारा बचे हुए पैसे से यह विश्वास होता है समाज में मानवता, प्रेम, आपसी सहयोग समाप्त नहीं हुआ है।

02- समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं और टेलीविज़न पर आपने ऐसी अनेक घटनाएँ देखी-सुनी होंगी जिनमे लोगों ने बिना किसी लालच के दूसरे सहायता की हो या ईमानदारी से काम किया हो ऐसे समाचार तथा लेख एकत्रित दो घटनाओं पर टिप्पणी लिखो।

1. समाज में अनाथालय में अनाथ बच्चे जो माता-पिता से वंचित हो जा उन्हें रहने, पढ़ने-लिखने, हुनर सीखने तथा कामयाबी के लिए सुविधाएं मुफ्त में प्रदान की जाती है। बच्चों के बीच सबका मन ल है और वे अपना जीवन ठीक तरह से बिता लेते हैं।

2. वृद्धाश्रम भी समाज सेवा का आदर्श प्रस्तुत करता है जो लोग वृद्ध हो जाते हैं, बच्चो के द्वारा अपेक्षा का शिकार बन जाते हैं तथा पर अपमान न सह सकने के कारण वृद्ध आश्रम में आकर रहने लगते हैं। आश्रम उनके खाने-पीने, सोने, ओढ़ने-बिछाने की सारी सुविधा प्रदान करता है तथा उनका सारा खर्च आश्रम से चल